श्री विन्ध्येस्वरी चालीसा

नमो नमो विन्ध्येश्वरी नमो नमो जगदंब । संत जनों के काज में करती नहीं बिलंब ॥ १ ॥
जय जय जय विन्ध्याचल रानी । आदि शक्ति जगबिदित भवानी ॥ २ ॥

सिंह वाहिनी जय जगमाता । जय जय जय त्रिभुवन सुखदाता ॥ ३ ॥
कष्ट निवारिनि जय जग देवी । जय जय संत असुर सुरसेवी ॥ ४ ॥

महिमा अमित अपार तुम्हारी । सेष सहस मुख बरनत हारी ॥ ५ ॥
दीनन के दु:ख हरत भवानी । नहिं देख्यो तुम सम कोउ दानी ॥ ६ ॥

सब कर मनसा पुरवत माता । महिमा अमित जगत विख्याता ॥ ७ ॥
जो जन ध्यान तुम्हारो लावे । सो तुरतहिं वांछित फल पावे ॥ ८ ॥

तू ही वैस्नवी तू ही रुद्रानी । तू ही शारदा अरु ब्रह्मानी ॥ ९ ॥
रमा राधिका स्यामा काली । तू ही मात संतन प्रतिपाली ॥ १० ॥

उमा माधवी चंडी ज्वाला । बेगि मोहि पर होहु दयाला ॥ ११ ॥
तुम ही हिंगलाज महरानी । तुम ही शीतला अरु बिज्ञानी ॥ १२ ॥

तुम्हीं लक्ष्मी जग सुख दाता । दुर्गा दुर्ग बिनासिनि माता ॥ १३ ॥
तुम ही जाह्नवी अरु उन्नानी । हेमावती अंबे निरबानी ॥ १४ ॥

अष्टभुजी बाराहिनि देवा । करत विष्णु शिव जाकर सेवा ॥ १५ ॥
चौसट्टी देवी कल्याणी । गौरि मंगला सब गुन खानी ॥ १६ ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

पाटन मुंबा दंत कुमारी । भद्रकाली सुन विनय हमारी ॥ १७ ॥
बज्रधारिनी सोक नासिनी । आयु रच्छिनी विन्ध्यवासिनी ॥ १८ ॥

जया और विजया बैताली । मातु संकटी अरु बिकराली ॥ १९ ॥
नाम अनंत तुम्हार भवानी । बरनै किमि मानुष अज्ञानी ॥ २० ॥

जापर कृपा मातु तव होई । तो वह करै चहै मन जोई ॥ २१ ॥
कृपा करहु मोपर महारानी । सिध करिये अब यह मम बानी ॥ २२ ॥

जो नर धरै मातु कर ध्याना । ताकर सदा होय कल्याणा ॥ २३ ॥
बिपत्ति ताहि सपनेहु नहि आवै । जो देवी का जाप करावै ॥ २४ ॥

जो नर कहे रिन होय अपारा । सो नर पाठ करे सतबारा ॥ २५ ॥
नि:चय रिनमोचन होई जाई । जो नर पाठ करे मन लाई ॥ २६ ॥

अस्तुति जो नर पढै पढावै । या जग में सो बहु सुख पावै ॥ २७ ॥
जाको ब्याधि सतावै भाई । जाप करत सब दूर पराई ॥ २८ ॥

जो नर अति बंदी महँ होई । बार हजार पाठ कर सोई ॥ २८ ॥
नि:चय बंदी ते छुटि जाई । सत्य वचन मम मानहु भाई ॥ ३० ॥

जापर जो कुछ संकट होई । नि:चय देबिहि सुमिरै सोई ॥ ३१ ॥
जा कहँ पुत्र होय नहि भाई । सो नर या विधि करै उपाई ॥ ३२ ॥

पाँच बरस सो पाठ करावै । नौरातर महँ बिप्र जिमावै ॥ ३३ ॥
नि:चय होहि प्रसन्न भवानी । पुत्र देहि ताकहँ गुन खानी ॥ ३४ ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

www.viswakalyanam.org

ध्वजा नारियल आन चढावै । विधि समेत पूजन करवावै ॥ ३५ ॥
नित प्रति पाठ करै मन लाई । प्रेम सहित नहि आन उपाई ॥ ३६ ॥

यह श्री विन्ध्याचल चालीसा । रंक पढत होवै अवनीसा ॥ ३७ ॥
यह जनि अचरज मानहु भाई । कृपा दृष्टि जापर ह्वै जाई ॥ ३८ ॥

जय जय जय जग मातु भवानी । कृपा करहु मोहि पर जन जानी ॥ ३९ ॥
नमो नमो विन्ध्येश्वरी, नमो नमो जगदंब ॥ ४० ॥

इति श्री विन्ध्येस्वरी चालीसा सम्पूर्ण

www.viswakalyanam.org

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133